



दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471



अमन लेखनी

वेलकम टू द जंगल में

जाह्वी के साथ काम करने की थी

वर्ष : 10

अंक : 166

लखनऊ, 26 मई, रविवार 2024

पृष्ठ : 08

मूल्य : 2.00 रुपय

गाजीपुर में पीएम मोदी की हुंकार

वंचितों का जो अधिकार है, मोदी उसका चौकीदार है

एंजेसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, पीएम नरेंद्र मोदी ने गाजीपुर में भाजपा प्रत्यार्थी पारसनाथ राय के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि गाजीपुर की धराई... पराक्रम और शैव की गाथाएँ बताती हैं। गाजीपुर की परंपरा और यहां का गमदर गाव... ये नाम ही कामी है। जहां हर घर से जांबां निकलते हों... वे गैरव गाजीपुर के अलावा किसी को मिलता है। विपक्ष पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन वालों ने गाजीपुर के साथ विश्वसाधार किया है। आजदी के बाद कार्यसभा ने कसम खाली थीं कि इस क्षेत्र के विकास नहीं करेगी यहां के लोग गरीबी में घुट-घुट कर जीने को प्रयत्न रख रहे हैं।

मोदी ने कहा कि यहां की तकलीफ को सबसे पहले हमारे गहराई बाबू ने

उठाया था, उन्होंने संसद में नेहरू जी को यहां की स्थिति बताई और आंख में आसुके साथ बाबूजी ने कहा कि कैसे यहां के लोग जनवारों की गोबर से गेहू चुकाकर के खाए थे। लैंकिन कार्यसभा पार्टी ने कहा कि यहां

पार्टी के लोगों ने कहा कि यहां की मिलती क्रिया है।

उसमें भी राजनीति मौके तलाश लिए। आज मुझे संतोष है कि हमारी सरकार घर हर गरीब को मुस्त राशन दे रही है।

उन्होंने कहा कि क 1 PM

लटकाने और हक मारने में तो कांग्रेस को महारात हासिल है। इहांने हमारे सेना के बीर जवानों को बन रैक, बन पेशन तक नहीं मिलने दिया। बन रैक, बन पेशन तब लागू हुई, जब मोदी लागू हुई,

प्रधानमंत्री ने दावा किया मोदी ने जो काम किए, उससे गरीब का जीवन बदला। सिर्फ 10 साल में 25 करोड़ लोग

गरीबी से बाहर निकले हैं... ये इसलिए हआ कि आपके बोर्ड ने मोदी को मजबूत किया। इहांने 4 करोड़ परिवर्षों को पीएम आवास दिए। हमने 50 करोड़ गरीबों के बैंक में खाते खुलवाए। हमने हर गांव तक बिजली पहुंचाई, हम रह घर जल पहुंचा रहे हैं। आज किसी गरीब को इलाज के लिए आपनी जीवन नहीं बेचनी पड़ती है, ब्योकिं आज उके पास अयुष्मान काढ़ा है। उन्होंने कहा कि अगर माताओं को बीमारी सही है तो इस बेटे का बैठने का क्या मतलब है। इसलिए आपके इस बेटे ने तय किया कि अब गरीब को बीमारी में इलाज की जिम्मेदारी मोदी उठाएगा। आज आयुष्मान योजना करोड़ों परिवर्षों को मुसीबत में सहायता देता है। मोदी ने कहा कि सप्त के दौर में यूनी घूमते थे, खुली जीप में कानून को चतावनी देते थे। विरोधियों को खुली आम गोलियों से भून दिया जाता था। दौरों को यूपी की पहचान बनादिया गया था। सपा की सरकार में हर महीने 2-3 दौरों ने दोते थे। इसका नुकसान काली गोलियों की होता था। अब योगी जी सरकार में दोगे भी बढ़ते हैं और दोगे भी बढ़ते हैं। उन्होंने जो दोते हुए कहा कि इंडी गठबंधन वाले एससी-एसटी-ओबीसी का आशक्षण की लूट में एक साथ खड़े हैं। लैंकिन ये मोदी इनके सामने रोना तानकर खड़ा है और मैं गारंटी देता हूं कि बज तक मोदी जिंदा है, एससी-एसटी-ओबीसी के घायल होने की खबर है। उन्होंने बताया कि घायल में उनको छीनने नहीं दूँगा।

इलाज की जिम्मेदारी मोदी उठाएगा। आज की आयुष्मान योजना करोड़ों परिवर्षों को मुसीबत में सहायता देता है। मोदी ने कहा कि सप्त के दौर में यूनी घूमते थे, खुली जीप में कानून को चतावनी देते थे। विरोधियों को खुली आम गोलियों से भून दिया जाता था। दौरों को यूपी की पहचान बनादिया गया था। सपा की सरकार में हर महीने 2-3 दौरों ने दोते थे। इसका नुकसान काली गोलियों की होता था। अब योगी जी सरकार में दोगे भी बढ़ते हैं और दोगे भी बढ़ते हैं। उन्होंने जो दोते हुए कहा कि इंडी गठबंधन वाले एससी-एसटी-ओबीसी का आशक्षण की लूट में एक साथ खड़े हैं। लैंकिन ये मोदी इनके सामने रोना तानकर खड़ा है और मैं गारंटी देता हूं कि बज तक मोदी जिंदा है, एससी-एसटी-ओबीसी के घायल होने की खबर है। उन्होंने बताया कि घायल में उनको छीनने नहीं दूँगा।

इलाज की जिम्मेदारी मोदी उठाएगा। आज की आयुष्मान योजना करोड़ों परिवर्षों को मुसीबत में सहायता देता है। मोदी ने कहा कि सप्त के दौर में यूनी घूमते थे, खुली जीप में कानून को चतावनी देते थे। विरोधियों को खुली आम गोलियों से भून दिया जाता था। दौरों को यूपी की पहचान बनादिया गया था। सपा की सरकार में हर महीने 2-3 दौरों ने दोते थे। इसका नुकसान काली गोलियों की होता था। अब योगी जी सरकार में दोगे भी बढ़ते हैं और दोगे भी बढ़ते हैं। उन्होंने जो दोते हुए कहा कि इंडी गठबंधन वाले एससी-एसटी-ओबीसी का आशक्षण की लूट में एक साथ खड़े हैं। लैंकिन ये मोदी इनके सामने रोना तानकर खड़ा है और मैं गारंटी देता हूं कि बज तक मोदी जिंदा है, एससी-एसटी-ओबीसी के घायल होने की खबर है। उन्होंने बताया कि घायल में उनको छीनने नहीं दूँगा।

इलाज की जिम्मेदारी मोदी उठाएगा। आज की आयुष्मान योजना करोड़ों परिवर्षों को मुसीबत में सहायता देता है। मोदी ने कहा कि सप्त के दौर में यूनी घूमते थे, खुली जीप में कानून को चतावनी देते थे। विरोधियों को खुली आम गोलियों से भून दिया जाता था। दौरों को यूपी की पहचान बनादिया गया था। सपा की सरकार में हर महीने 2-3 दौरों ने दोते थे। इसका नुकसान काली गोलियों की होता था। अब योगी जी सरकार में दोगे भी बढ़ते हैं और दोगे भी बढ़ते हैं। उन्होंने जो दोते हुए कहा कि इंडी गठबंधन वाले एससी-एसटी-ओबीसी का आशक्षण की लूट में एक साथ खड़े हैं। लैंकिन ये मोदी इनके सामने रोना तानकर खड़ा है और मैं गारंटी देता हूं कि बज तक मोदी जिंदा है, एससी-एसटी-ओबीसी के घायल होने की खबर है। उन्होंने बताया कि घायल में उनको छीनने नहीं दूँगा।

इलाज की जिम्मेदारी मोदी उठाएगा। आज की आयुष्मान योजना करोड़ों परिवर्षों को मुसीबत में सहायता देता है। मोदी ने कहा कि सप्त के दौर में यूनी घूमते थे, खुली जीप में कानून को चतावनी देते थे। विरोधियों को खुली आम गोलियों से भून दिया जाता था। दौरों को यूपी की पहचान बनादिया गया था। सपा की सरकार में हर महीने 2-3 दौरों ने दोते थे। इसका नुकसान काली गोलियों की होता था। अब योगी जी सरकार में दोगे भी बढ़ते हैं और दोगे भी बढ़ते हैं। उन्होंने जो दोते हुए कहा कि इंडी गठबंधन वाले एससी-एसटी-ओबीसी का आशक्षण की लूट में एक साथ खड़े हैं। लैंकिन ये मोदी इनके सामने रोना तानकर खड़ा है और मैं गारंटी देता हूं कि बज तक मोदी जिंदा है, एससी-एसटी-ओबीसी के घायल होने की खबर है। उन्होंने बताया कि घायल में उनको छीनने नहीं दूँगा।

इलाज की जिम्मेदारी मोदी उठाएगा। आज की आयुष्मान योजना करोड़ों परिवर्षों को मुसीबत में सहायता देता है। मोदी ने कहा कि सप्त के दौर में यूनी घूमते थे, खुली जीप में कानून को चतावनी देते थे। विरोधियों को खुली आम गोलियों से भून दिया जाता था। दौरों को यूपी की पहचान बनादिया गया था। सपा की सरकार में हर महीने 2-3 दौरों ने दोते थे। इसका नुकसान काली गोलियों की होता था। अब योगी जी सरकार में दोगे भी बढ़ते हैं और दोगे भी बढ़ते हैं। उन्होंने जो दोते हुए कहा कि इंडी गठबंधन वाले एससी-एसटी-ओबीसी का आशक्षण की लूट में एक साथ खड़े हैं। लैंकिन ये मोदी इनके सामने रोना तानकर खड़ा है और मैं गारंटी देता हूं कि बज तक मोदी जिंदा है, एससी-एसटी-ओबीसी के घायल होने की खबर है। उन्होंने बताया कि घायल में उनको छीनने नहीं दूँगा।

इलाज की जिम्मेदारी मोदी उठाएगा। आज की आयुष्मान योजना करोड़ों परिवर्षों को मुसीबत में सहायता देता है। मोदी ने कहा कि सप्त के दौर में यूनी घूमते थे, खुली जीप में कानून को चतावनी देते थे। विरोधियों को खुली आम गोलियों से भून दिया जाता था। दौरों को यूपी की पहचान बनादिया गया था। सपा की सरकार में हर महीने 2-3 दौरों ने दोते थे। इसका नुकसान काली गोलियों की होता था। अब योगी जी सरकार में दोगे भी बढ़ते हैं और दोगे भी बढ़ते हैं। उन्होंने जो दोते हुए कहा कि इंडी गठबंधन वाले एससी-एसटी-ओबीसी का आशक्षण की लूट में एक साथ खड़े हैं। लैंकिन ये मोदी इनके सामने रोना तानकर खड़ा है और मैं गारंटी देता हूं कि बज तक मोदी जिंदा है, एससी-एसटी-ओबीसी के घायल होने की खबर है। उन्होंने बताया कि घायल में उनको छीनने नहीं दूँगा।

इलाज की जिम्मेदारी मोदी उठाएगा। आज की आयुष्मान योजना करोड़ों परिवर्षों को मुसीबत में सहायता देता है। मोदी ने कहा कि सप्त के दौर में यूनी घूमते थे

सम्पादकीय

चुनाव प्रचार में भाषा संयम एवं शब्दों की मर्यादा जरूरी लो

कम्भा चुनाव के पांच चरण पूरे हो चके हैं। अभी 25 मई और एक जून को दो चरणों में मतदान शुरू हो गया है। अभी तक का चुनाव न केवल बहतर रहा, बल्कि चुनाव आयोग के प्रयासों से शास्त्रीयत्वक भी हुआ, लेकिन अब तक के चुनाव में एक चीज़ की कमी खली गई है, जो है प्रचार के दौरान राजनीतिक मर्यादा। जैसे-जैसे चुनाव आगे बढ़ रहे हैं, कड़े नेताओं को जुबान पिस्सलता जा रही है, वे राजनीति से इतर नेताओं को निज़ी जिम्मेदारों तक मात्र टांक़ां वाले, धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाले ऐसे शब्दों रहे हैं, जो न सिफ्ट आपत्तिजनक हैं, बल्कि लोकतंत्र के लिए घाटक भी हैं। ऐसे ही नहीं है कि इन सब पर चुनाव आयोग मौन है। आयोग एक के बाद एक नोटिस जारी कर रहा है, लेकिन नेताओं पर इसका खास असर होता नहीं दिखता। बड़ा सवाल है कि एक ऊजावान एवं दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में क्या वाकई अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल और्छित्यपूर्ण है? एक तरफ गर्मी की उभरन है, तो दूसरी तरफ राजनीतिक हल्कों में भाषायी अधरद्वारा एवं उच्चंखलता घाव पर नमक छिकड़ रही है। नेताओं को यह बात समझनी चाहिए कि सही तरीके से बोले गए शब्दों में लोगों को जोड़ने की ताकत होती है, जबकि गलत भाषा एवं बोल का इतिहास राजनीतिक धरातल को कमज़ोर करता है, लेकिन कोई समझने के तौर पर नज़र नहीं आता। नेताओं के बयान शालीनता एवं मर्यादा की रासा सीमाएं लंबे रहे हैं। राहुल गांधी का अधिकारी के खिलाफ ठार्ड़ संबंधी टिप्पणी से जुड़े धार्मिक शब्दों का अपमान करने और कुछ धार्मिक सम्प्रवाय के तुरंटीकरण के लिए धर्मों के बीच शत्रुता पैदा करने के दुर्भावनापूर्ण इदर को दर्शाती है। प्रारंभ में लालूपासद यादव का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर परिवार विषयक आरोप हैरान करने वाला था। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेते ने केंगना रनीत को लेकर किए पोर्ट में एक्टेस की फोटो के साथ भद्र कमट महिला-शक्ति का अपमान नहीं तो और बया था। कभी वा समय था जब देश की राजनीति में संयमित भाषा एवं अनुशासित बोल राजनीति के महत्वपूर्ण अंग था। कहा जाता है कि लोकतंत्र में उसी नेता को बोल-बाला होता है। धीरे वीर राजनीति में बदलाव आया था, उसी प्रकार राजनीतियों की भाषा और आरोप-प्रत्यापवार की शैती भी बदलती गई। आज 'पृष्ठ' शुहजादा, शहशाह, चार जैसे शब्द हमारी राजनीति में घुस चुके हैं। व्यावर जारी रखने में वर्षायी आयोग को कोई शब्द बचा है? ऐसी अधर्मी भाषा का उपयोग करने से पहले हमारे ये राजनेता जरा भी नहीं सोचते कि उसका उनकी पार्टी पर बया प्रभाव पड़ सकता है। राजनीति में स्तरहीन, हल्की बातें कहने का चलन काफी समय से है, लेकिन बीते दो दशकों में यह बोर्पर्स रूप धारण कर चुका है। उस समय जब राम मनोहर लोहिया ने इंदिरा गांधी को गंगे गुडिया कहा था तो काफी बदल हुआ और बड़ी तादाद में लोगों ने लोहिया का विरोध किया। कांग्रेस के अध्यक्ष खड़गे होने के बाले चुके हैं। और उनका पार्टी पर लिए गए वाला काफी चर्चायें में रहा है। मतदाताओं को आकर्षित एवं अपने पक्ष में करने के फैर में राजनीति को रसाल में धकेलने की मानो होड़ मची दुर्दृश्य है। चुनाव आयोग ने एक बार पिर बुधवार को चुनाव आयोग ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़े और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को नोटिस जारी करके भाषणों में मर्यादा बनाए रखने के लिए कहा है। उमीद की जानी चाहिए कि सभी राजनीतिक दल इसे गंभीरता से लेंगे और सियासत में धीरे-धीरे प्रवेश कर रही गंदी साफ हो जाएगी।

विशेष

डॉ. हरीन्द्र मोहन शुक्ला

बूद्ध धर्म के प्रवर्तक गौतम बुद्ध का जीवन दर्शन

दूसरे एक जान नहीं है, बूद्ध का अर्थ है जागृत और अलंक ज्ञानी चाहिए।

ध्यानस्थ और आत्मस्थ छोड़कर स्वर्य के प्रयासों से प्राप्त ज्ञान। बूद्ध धर्म भारत की श्रमण प्रसंपरा से निकला धर्म और दर्शन है। यह दर्शन श्रम छारा मोक्ष प्राप्ति के मानवों को मानवा है, और इसके लिए जावान में ईश्वर की नहीं।

अब की आवश्यकता की पैश्वर है। वहीं, विदेशी को जावान को ही जोक्ष का अधर नामा है। 563 ईसा पूर्वी विद्यापूर्ण 8 अलंकों को जावान में लुमिको में झूलते तथा शिशु विद्याया ने अपने को लैटी राजा शुद्धदेवा की परिवारों की परिवारों को जावान में घूमाए। इसके लिए जावान को ही जोक्ष का अधर नामा है।

अब की आवश्यकता की पैश्वर है। वहीं, विदेशी को जावान को ही जोक्ष का अधर नामा है। 563 ईसा पूर्वी विद्यापूर्ण 8 अलंकों को जावान में लुमिको में झूलते तथा शिशु विद्याया ने अपने को लैटी राजा शुद्धदेवा की परिवारों की परिवारों को जावान में घूमाए। इसके लिए जावान को ही जोक्ष का अधर नामा है।

एवं विद्यापूर्ण एवं अधर की पैश्वर है। वहीं, विदेशी को जावान को ही जोक्ष का अधर नामा है। 563 ईसा पूर्वी विद्यापूर्ण 8 अलंकों को जावान में लुमिको में झूलते तथा शिशु विद्याया ने अपने को लैटी राजा शुद्धदेवा की परिवारों की परिवारों को जावान में घूमाए। इसके लिए जावान को ही जोक्ष का अधर नामा है।

अब की आवश्यकता की पैश्वर है। वहीं, विदेशी को जावान को ही जोक्ष का अधर नामा है। 563 ईसा पूर्वी विद्यापूर्ण 8 अलंकों को जावान में लुमिको में झूलते तथा शिशु विद्याया ने अपने को लैटी राजा शुद्धदेवा की परिवारों की परिवारों को जावान में घूमाए। इसके लिए जावान को ही जोक्ष का अधर नामा है।

अब की आवश्यकता की पैश्वर है। वहीं, विदेशी को जावान को ही जोक्ष का अधर नामा है। 563 ईसा पूर्वी विद्यापूर्ण 8 अलंकों को जावान में लुमिको में झूलते तथा शिशु विद्याया ने अपने को लैटी राजा शुद्धदेवा की परिवारों की परिवारों को जावान में घूमाए। इसके लिए जावान को ही जोक्ष का अधर नामा है।

अब की आवश्यकता की पैश्वर है। वहीं, विदेशी को जावान को ही जोक्ष का अधर नामा है। 563 ईसा पूर्वी विद्यापूर्ण 8 अलंकों को जावान में लुमिको में झूलते तथा शिशु विद्याया ने अपने को लैटी राजा शुद्धदेवा की परिवारों की परिवारों को जावान में घूमाए। इसके लिए जावान को ही जोक्ष का अधर नामा है।

अब की आवश्यकता की पैश्वर है। वहीं, विदेशी को जावान को ही जोक्ष का अधर नामा है। 563 ईसा पूर्वी विद्यापूर्ण 8 अलंकों को जावान में लुमिको में झूलते तथा शिशु विद्याया ने अपने को लैटी राजा शुद्धदेवा की परिवारों की परिवारों को जावान में घूमाए। इसके लिए जावान को ही जोक्ष का अधर नामा है।

अब की आवश्यकता की पैश्वर है। वहीं, विदेशी को जावान को ही जोक्ष का अधर नामा है। 563 ईसा पूर्वी विद्यापूर्ण 8 अलंकों को जावान में लुमिको में झूलते तथा शिशु विद्याया ने अपने को लैटी राजा शुद्धदेवा की परिवारों की परिवारों को जावान में घूमाए। इसके लिए जावान को ही जोक्ष का अधर नामा है।

अब की आवश्यकता की पैश्वर है। वहीं, विदेशी को जावान को ही जोक्ष का अधर नामा है। 563 ईसा पूर्वी विद्यापूर्ण 8 अलंकों को जावान में लुमिको में झूलते तथा शिशु विद्याया ने अपने को लैटी राजा शुद्धदेवा की परिवारों की परिवारों को जावान में घूमाए। इसके लिए जावान को ही जोक्ष का अधर नामा है।

अब की आवश्यकता की पैश्वर है। वहीं, विदेशी को जावान को ही जोक्ष का अधर नामा है। 563 ईसा पूर्वी विद्यापूर्ण 8 अलंकों को जावान में लुमिको में झूलते तथा शिशु विद्याया ने अपने को लैटी राजा शुद्धदेवा की परिवारों की परिवारों को जावान में घूमाए। इसके लिए जावान को ही जोक्ष का अधर नामा है।

अब की आवश्यकता की पैश्वर है। वहीं, विदेशी को जावान को ही जोक्ष का अधर नामा है। 563 ईसा पूर्वी विद्यापूर्ण 8 अलंकों को जावान में लुमिको में झूलते तथा शिशु विद्याया ने अपने को लैटी राजा शुद्धदेवा की परिवारों की परिवारों को जावान में घूमाए। इसके लिए जावान को ही जोक्ष का अधर नामा है।

अब की आवश्यकता की पैश्वर है। वहीं, विदेशी को जावान को ही जोक्ष का अधर नामा है। 563 ईसा पूर्वी विद्यापूर्ण 8 अलंकों को जावान में लुमिको में झूलते तथा शिशु विद्याया ने अपने को लैटी राजा शुद्धदेवा की परिवारों की परिवारों को जावान में घूमाए। इसके लिए जावान को ही जोक्ष का अधर नामा है।

अब की आवश्यकता की पैश्वर है। वहीं, विदेशी को जावान को ही जोक्ष का अधर नामा है। 563 ईसा पूर्वी विद्यापूर्ण 8 अलंकों को जावान में लुमिको में झूलते तथा शिशु विद्याया ने अपने को लैटी राजा शुद्धदेवा की परिवारों की परिवारों को जावान में घूमाए। इसके लिए जावान को ही जोक्ष का अधर नामा है।

अब की आवश्यकता की पैश्वर है। वहीं, विदेशी को जावान को ही जोक्ष का अधर नामा है। 563 ईसा पूर्वी विद्यापूर्ण 8 अलंकों को जावान में लुमिको में झूलते तथा शिशु विद्याया ने अपने को लैटी राजा शुद्धदेवा की परिवारों की परिवारों को जावान में घूमाए। इसके लिए जावान को ही जोक्ष का अधर नामा है।

अब की आवश्यकता की पैश्वर है। वहीं, विदेशी को जावान को ही जोक्ष का अ



वेलकम टू द जंगल में जैकी श्राफ की एंट्री

मुंबई। अश्व बुमार स्टार फिल्म वेलकम टू द जंगल से एक्टर संजय दत्त के बाहर होने की खबर ने फैन्स को निराश कर दिया था। बताया गया कि पॉर्टर ने कुछ दिन की शूटिंग करने के बाद इस फिल्म से हटने का फैसला लिया। अब इस फिल्म की कास्ट और कहानी में बड़ा बदलाव किया गया है। संजय दत्त के बारे

होने के बाद जैकी श्राफ की एंट्री हुई है। लेकिन एक्टर की संजय बाबा की जगह नहीं लाया गया है और न ही एक्टर उनका बाबा किरदार निभाएगे। कहानी में भी हुआ है बड़ा बदलाव। वेलकम 3 की शूटिंग पिछले कुछ समय से चल रही थी, बिहाइंड द सीन विडियोज भी किया गया है। संजय दत्त के बारे

लाइफ Style

जाहनवी

साथ काम करने मांगी थी मन्जनत

एंजेलीना ► मुंबई

2018 से लेकर अब तक जाहनवी ने 7 फिल्में की हैं और अब उनकी 8वीं फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही रिसीव होने वाली है। यह फिल्म किएट पर आधारित है और इसमें जाहनवी के साथ राजकुमार राव लीड रोल में हैं।

जाहनवी फिल्म का जोर-शोर से प्रमोशन कर रही है और इसी दौरान एक

इंटरव्यू में जाहनवी ने बताया कि पंकज प्रियाठी के साथ काम करने के लिए

उन्होंने मन्त्र मांगी थी।

दरअसल, जाहनवी से पूछा गया कि क्या कोई ऐसा है जिससे वह मिलना चाहती थी या जिससे कभी नहीं मिलना चाहती हो तो इस पर जाहनवी ने कहा कि मैं पंकज प्रियाठी जो से के साथ काम करना चाहती थी। उनके साथ काम करने का मेरा सपना था। मैं पालतों की तरह बिहें करती थी क्योंकि मैं उनकी बहुत बड़ी फैन थी और अब भी हूं। मैंने मन्त्र ली थी कि वह मेरी फिल्म गुंजन सप्तमा को करने के लिए हाँ कह दे। इन्हाँनी ही मैं शाकाहारी भी बन गई हूं। बता दें कि गुंजन द सप्तमा फिल्म में पंकज ने जाहनवी के पापा का किरदार निभाया था। फिल्म में वह जाहनवी को पूरा सोर्पेट करते दिखे हैं। वहीं कई इंटरव्यू में दोनों ने एक-दूसरे के काम की तरीफ की। जाहनवी के बाकी प्रोजेक्ट्स की बात करते तो उन्हें पापा और भी कह बड़ी और दिलचस्प फिल्म।

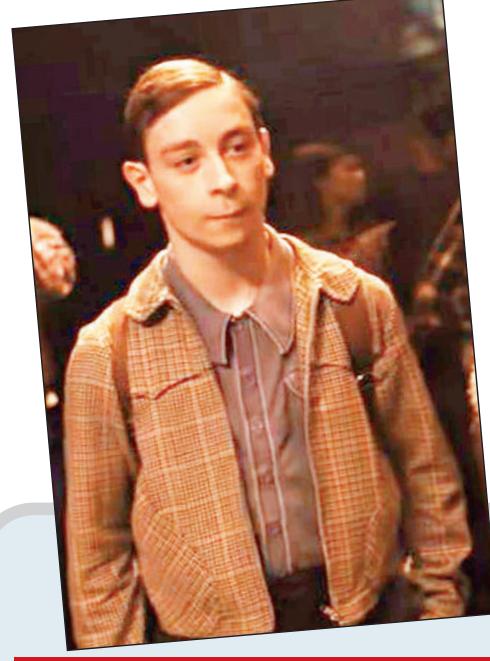
लुक्स के लिए करते ही हैं ट्रोल : अलाया

मुंबई। बॉलीवुड की खुबसूरत अव्याकाश अलाया एफ इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई है। वे राजकुमार राव के साथ फिल्म 'श्रीकात' में नजर आ रही हैं। रस्कर्कों को इस फिल्म में उनका किरदार काफी पसंद आ रहा है। इस फिल्म से पहले वे अक्षय कुमार और टाइगर श्राफ के साथ उनकी फिल्म 'बड़ा मियां छोटे मियां' में भी अपने अभिन्न रूपों को जलवा दिखाया था। फिल्म में वह जाहनवी को पूरा सोर्पेट करते दिखे हैं। वहीं कई इंटरव्यू में दोनों ने एक-दूसरे के काम की तरीफ की। जाहनवी के बाकी प्रोजेक्ट्स की बात करते तो उन्हें पापा और भी कह बड़ी और दिलचस्प फिल्म।



कोर्ट ने एंजेलिना से मांगा जवाब

लॉस एंजिलिस। एंजेलिना जॉली और हैंड पिट कभी हॉलीवुड के बजासे पसंदीदा कपल्स में से एक थे। मगर अब दोनों विवाह के घलते सुर्खियों में रहते हैं। दोनों की बीच बड़ी कार्रवाई के अलावा फ्रेंच वाइन्याई को लेकर भी विवाद चल रहा है। कुछ साल पहले एंजेलिना ने फ्रेंच वाइन्याई से अपना हिस्सा लेवा दिया था। अब उन्हें हैंड पिट के साथ सभी एनडीए पेश करने का आशा दिया गया है। पिछले आठ साल से एंजेलिना जॉली और हैंड पिट के बीच मिलिजन अमेरिकी डॉलर की फ्रांसीसी वाइनी, चेटो मिरावल के स्वामित्व पर चल रहे विवाद में एक बया मोड़ आ गया है।



सिंघम अवतार देख फैंस हुए पागल

मुंबई। रोहित शेट्टी के डायरेक्शन में बन रही फिल्म सिंघम अगले साल की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक है। फैंस भी रोहित शेट्टी की फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब डायरेक्टर रोहित शेट्टी ने सिंघम अगले में अजय देवगन का लुक शेयर किया है। अजय देवगन की जो तस्वीर रोहित शेट्टी ने शेयर की है उसमें वो बहुत इंटेस नजर आ रहे हैं। रोहित शेट्टी ने जो तस्वीर शेयर की तुम्हें अजय देवगन जम्मू-कश्मीर पुलिस के गाड़ियों और कंमाडोज के साथ पोंज करते नजर आ रहे हैं। अजय देवगन ने भी अपने इंस्टाग्राम पर अपने सिंघम अवतार की तस्वीर शेयर की है। उन्होंने कैशन में लिखा - ऑन इंटर्टी अगेन, अजय देवगन का सिंघम अवतार देख फैंस की खुशी का टिकाना नहीं है। वो फिल्म को लेकर बहुत से कमेंट्स कर रहे हैं।

मासूम वैकना बना 'स्ट्रैंजर थिंग्स' का शैतान

लॉस एंजिलिस। डफर बॉर्स की निर्वित साई-फाई, हॉरर और मिलिजन ड्रामा 'स्ट्रैंजर थिंग्स' साथेपांपुल लेव लीज जॉली में से एक है। इसके चार रोजिस आ चुके हैं, जिसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिला है, जिसमें दिखाया गया है कि कैसे द्वृष्टि दुर्लिङ्गा के राक्षस धरती का अक्तर हांकिस का जीन हराम करते हैं। स्ट्रैंजर थिंग्स की कहानी हांकिस शहर होता है, जहाँ अजीबोंकरी घटना होती है। हांकिस में दो पेरलल दुर्लिङ्गा है। धरती पर द्वृष्टि दुर्लिङ्गा से राक्षस आ रहे हैं। तीसरे शीजन तक, इंट्रेन इंडियान के साथ मिलकर द्वृष्टी दुर्लिङ्गा से आये राक्षसों का खत्मा करती है और उन्हें मैं दें रहे बच्चों संग एक्सपरिमेंट का खुलासा करती है। इलेवन भी उत्तीर्ण लेव से मानकर आती है। चौथे शीजन में उसका सामान सबसे बेतरान कार्यक्रम द्वृष्टी का खुलासा होता है, जिसका नाम वैकना है।

टीवी मसाला



कीकू शारदा नहीं लाएंगे खुद का थोक कपिल के थोक में मिलती है इंजिन

मुंबई। कपिल शर्मा इस वक्त अपनी पूरी टीम के साथ नेटप्लॉट्स पर 'द ब्रेट हायिंगन कपिल' को बताया था। इसके से एक्टर संजय दत्त के बाहर रोका जा रहा है। हालांकि, एक इंजान जो इस थोक से लगातार लगा रहा है, वो है कीकू शारदा। हाल तो वो नीचे लोटी शरदा की तरह बहुत खुद का थोक रहा है। एक साक्षात्कार में कपिल जो इंजान के बाहर रहा है, वो अपनी बातों नहीं शुरू करते हैं। लैंडिंग ट्रॉप के बाहर रहा है। इंजान के बाहर रहा है, वो अपनी बातों को बढ़ावा दिलाता है। लैंडिंग ट्रॉप के बाहर रहा है, वो अपनी बातों को बढ़ावा दिलाता है।

कपिल इस फिल्म का हिस्सा नहीं है। उन्हें नेटप्लॉट्स के बाहर रहने की विश्वासीता नहीं है। उन्हें अपनी बातों को बढ़ावा दिलाता है। लैंडिंग ट्रॉप के बाहर रहा है, वो अपनी बातों को बढ़ावा दिलाता है।

कपिल इस फिल्म का हिस्सा नहीं है। उन्हें नेटप्लॉट्स के बाहर रहने की विश्वासीता नहीं है। उन्हें अपनी बातों को बढ़ावा दिलाता है। लैंडिंग ट्रॉप के बाहर रहा है, वो अपनी बातों को बढ़ावा दिलाता है।

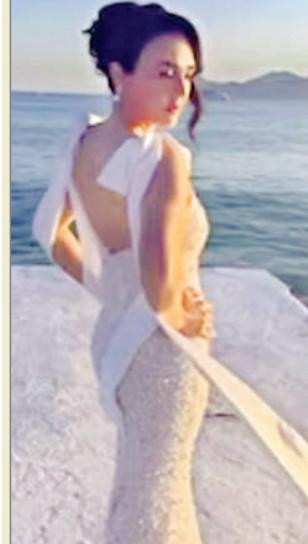
कपिल इस फिल्म का हिस्सा नहीं है। उन्हें नेटप्लॉट्स के बाहर रहने की विश्वासीता नहीं है। उन्हें अपनी बातों को बढ़ावा दिलाता है। लैंडिंग ट्रॉप के बाहर रहा है, वो अपनी बातों को बढ़ावा दिलाता है।

कपिल इस फिल्म का हिस्सा नहीं है। उन्हें नेटप्लॉट्स के बाहर रहने की विश्वासीता नहीं है। उन्हें अपनी बातों को बढ़ावा दिलाता है। लैंडिंग ट्रॉप के बाहर रहा है, वो अपनी बातों को बढ़ावा दिलाता है।

कपिल इस फिल्म का हिस्सा नहीं है। उन्हें नेटप्लॉट्स के बाहर रहने की विश्वासीता नहीं है। उन्हें अपनी बातों को बढ़ावा दिलाता है। लैंडिंग ट्रॉप के बाहर रहा है, वो अपनी बातों को बढ़ावा दिलाता है।



17 साल बाद प्रीति जिंटा ने काँस के देंड कारपेट पर दिखाया जलवा



मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा उन अभिनेत्रियों में से रही है, जिनकी एक्टिंग ही नहीं बल्कि फैंस उनकी खुबसूरती के भी दीवाने रहे। प्रीति की डिप्पल बाली स्माइल पर आज भी फैंस अपना दिल हार बैठते हैं। प्रीति वीते लंबे स्वतंत्र से एक्टिंग से दूरी है। प्रीति जिंटा ने 17 सालों के बाद काँस के कम्बेट्स कर दिया है। इस दौरान जर्नल ने अजय देवगन की अल्प बुल बैठते हुए दिखाया है। कृष्ण के अपने पर्फर्ट लुक से प्रीति ने हर किसी का दिल जीता है। 1 ड कारपेट का वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में प्रीति व्हाइट शिमरी गाउन पहन हजर दिख रही है, जिसमें वो बला की खुबसूरत नजर आ रही है। इस देंड के साथ प्रीति हाई है जो उनके लुक की ओर भी खुबसूरत बन रहा रहा है। वीडियो में प्रीति समेंदर किनार पोंज देती दिख रही है। इस वीडियो क